Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2026, E-Journal, Vol. I, Issue LIV (54), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

रायगढ़ नगर की जनसंख्या संरचना

छतेश्वरी चौहान* डॉ. सुनीता सोनवानी**

* शोधार्थी (भूगोल) एस. आर. यू., रायपुर (छ.ग) भारत
** प्रोफेसर (भूगोल) एस. आर. यू., रायपुर (छ.ग) भारत

प्रस्तावना – मनुष्य पृथ्वी के विभिन्न – क्षेत्रों में रहने वाले लोगों (जनसंख्या) के संवर्धन में मानव जीवन की विकास यात्रा प्राचीन काल से ही रही है। किन्तु एक विज्ञान के रूप में जनसंख्या का अध्ययन विशेषत: आधुनिक काल में हुआ है। प्राचीन काल से लेकर मध्यकाल तक प्रशासनिक, सैन्य, आर्थिक व राजनीतिक आदि उद्देश्यों से जनसंख्या सम्बन्धी सूचनाओं के संग्रह की परम्परा रही, जो प्राय: अनुमानों तथा व्यावहारिक आवश्यकताओं पर आधारित होती थी एवं विभिन्न सामाजिक विज्ञानों में जन स्वरूप पिछले तीन–चार दशकों में भूगोल को एक सामाजिक विज्ञान का स्थान प्रदान किया जाने लगा। इस प्रकार अब भौतिक अध्ययन के पूर्व के स्थान पर मानव को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। जनसंख्या तथा उससे सम्बन्धित समस्याओं की व्यापकता के कारण अध्ययन के उद्देश्यों में भौगोलिक दृष्टि से विविधता बढ़ी है और मानव भूगोल के अनेक उपशाखाएँ एवं उपविषय विकसित हुए हैं जिनमें जनसंख्या भूगोल भी एक है। यह भूगोल की एक नवीन शाखा है जिसका विकास 1960 के बाद से अधिक हुआ।

रायगढ नगर में जनसंख्या वृद्धि विश्लेषण – रायगढ़ नगर की लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण 1991 से 2011 तक का प्रोजेकसन अनरूप वृद्धि की दर एवं वृद्धि की गति बहुत ही उच्च रही। रायगढ़ नगर की जनसंख्या जनगणना 1991 में लगभग 86767 थी, उसके बाद 2001 में लगभग 10 वर्ष बाद जनसंख्या बढ़कर 1,11,154 हो गई जो लगभग 27–84 प्रतिशत की वृद्धि मापी गई उसके बाद 2011 जनगणना के अनुसार रायगढ़ नगर की मूल निवासी एवं अप्रवासी की संख्या 150019 दर्ज की गई जिसमें मूल निवासियों की संख्या 1,37,126 आकी गई। 1991 से 2011 तक रायगढ़ नगर की कुल जनसंख्या मे लगभग 72–73 प्रतिशत तक बढ़ोत्तारी मानी गई हैं। जो यह सिद्ध करता है कि नगर में अप्रवासी श्रमिकों की उपस्थिति परिवहन एवं उद्योगो के विस्तार के कारण निरंतर वृद्धि हुई। जिसमें अप्रवासी परिवारों की भूमिका महत्वपूर्ण रही हैं।

रायगढ़ नगर 1901 से 2011 तक की जनसंख्या– रायगढ़ नगर पालिका का गठन 1901 में हुआ था। इस समय रायगढ का क्षेत्र फल 70.68 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। रायगढ नगर को नगरपालिका का दर्जा 2001 में दिया गया उस समय 40 वार्डो में विभक्त था एवं जनसंख्या 1,11,154 (सांख्यिकी विभाग के अनुसार) थी। यह 18.26 वर्ग क्षेत्रफल में फैली हुई थी। 2011 की जनगणना के अनुसार वार्डो की संख्या बढकर 45 और जनसंख्या 1,37,126 थी। इस समय नगर का क्षेत्रफल 70.68 वर्ग किलोमीटर हो गई।

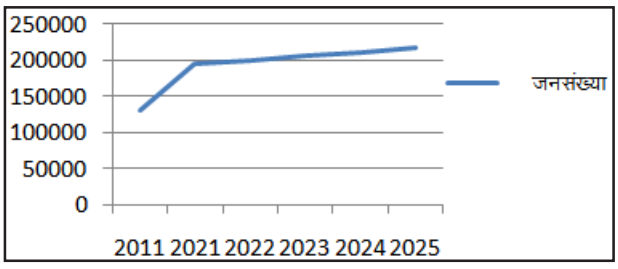
2011 से 2021 तक का जनसंख्या विश्लेषण– 2011 के वाद जनगणना नही हुआ था। 2021 में जनसंख्या की वृद्धि लगभग 1,95,000 (सांख्यिकी विभाग के अनुसार) मानी गई। जिसका तात्पर्य यह है कि 10 वर्षो में लगभग 45,000 की आबादी वृद्धि हुई जो जनसंख्या का लगभग 30 प्रतिशत है चूंकि अब तक औपचारिक जनगणना नही हुई है। नगर निगम जनगणना विभाग के अनुसार है कि रायगढ़ जिले की तुलना में यह रायगढ़ नगर की जनसंख्या अधिक हुई है। पावर प्लांट आदि औद्योगिक क्षेत्र के आस पास रह रहे जनसंख्या स्तर पर आवाजाही रायगढ़ नगर की जनसंख्या वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

2021 से 2025 तक बृद्धि विश्लेषण– रायगढ़ नगर में जनसंख्या वृद्धि 2021 से 2025 धीमी रूप में थी। परन्तु बृद्धि हो रही थी आवासीय विस्तार, सडकें के निमार्ण कार्य , मकानों का निर्माण हो रही है। सन् 2021 में 1,95,000 जनसंख्या और वार्डो की संख्या 45 थी एवं 153.14 वर्ग क्षेत्रफल में फैला हुआ है। सन् 2022 में 2,00,000 हो गई और 2023 मे 2,06,000 हुई 2024 में 2,12,000 और 2025 में 218000 बृद्धि हुई इस समय वार्डो की संख्या 48 हो गई 15.18 वर्ग किलो मीटर में है।

तालिका क्र 1: जनसंख्या वृद्धि विश्लेषण

वर्ष	जनसंख्या आकडा
2011	130019
2021	195000
2022	200000
2023	206000
2024	212000
2025	218000

स्त्रोत 2.2 सांख्यकीय विभाग के अनुसार



ग्राफ: 2. जनसंख्या वृद्धि विश्लेषण

रायगढ नगर में जनसंख्या वितरण एवं घनत्व 2011से 2021 तक।

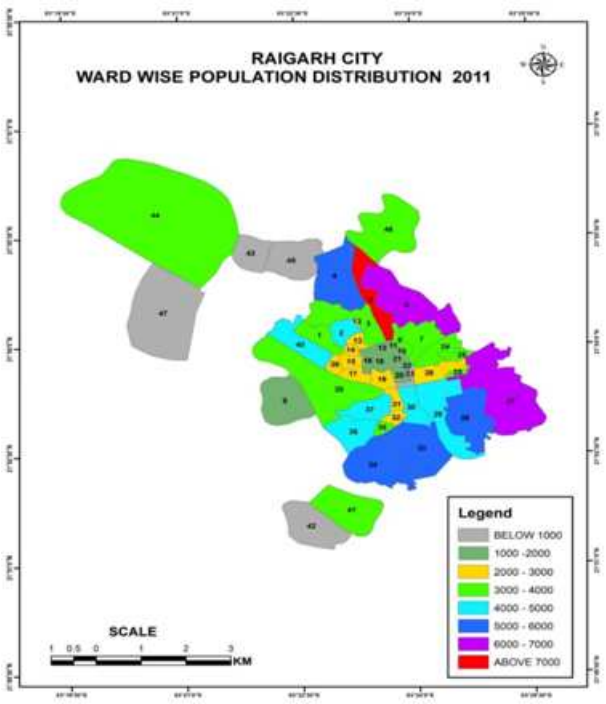
जनसंख्या वितरण – जनसंख्या वितरण की असमानताओ के लिये मुख्यत: ऐतिहासिक भौगोलिक एवं सांस्कृतिक जनसांख्यिकी उत्तरदायित्व है। अपने प्राचीन सभ्यता क्षेत्र मानव अधिवास के अपने प्राचीन इतिहास के कारण आज भी सघन जनसंख्या क्षेत्र है। जनसंख्या वितरण प्रारूप निर्धारण करने वाले भौतिक घटको में जलवायु स्थलाकृति जल, मिट्टी, खनिज संसाधन और क्षेत्रीय सम्बंध प्रमुख हैं। कु. सेम्पल के शब्दों में ''well water lowlands invite expansion ethic, Commercial and political'' सांस्कृतिक घटकों में सामाजिक मनोवृति आर्थिक विकास–स्तर और राजनीतिक संगठन तथा जनसांख्यिकीय घटकों में उत्पादकता, मर्त्यता दर और आवास प्रवास धारा का महत्व हैं। ये सभी कारण अलग–अलग नही बल्कि सम्मिलित रूप से अपना प्रभाव डालते हैं। किसी एक कारक के प्रभाव का पृथक आकलन बेहद कठिन है। उनकी पारम्परिक क्रिया–प्रतिक्रिय आंकलन बेहद कठिन है इसमें कुछ घटकों का प्रभाव बेहद परीक्षा रूप में होता है? देखा गया है कि ज्यों–ज्यों सभ्यता का विकास होता है भौतिक कारकों का महत्व घटता जाता है? आम तौर पर पिछड़े समाज में जनसंख्या घनत्व क्षेत्रीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य विभाग पर आधारित होता है। इसमें प्राकृतिक परिवर्तन का अधिक प्रभाव होता है। इसके विपरित प्राविधिक दृष्टि से उन्नतिपूर्ण नगरीय संस्कृति में भौतिक घटको की अपेक्षा सांस्कृतिक घटकों का अधिक महत्व होता हैं। इस भांति जनसंख्या वितरण का वर्तमान प्रारूप मानव के उन हजारो वर्षो के इतिहास का प्रतिफल जिसमें जनसंख्या भौतिक प्रभाव के अनुसार समायोजित होती है। और सांस्कृतिक तथा जनसांख्यिकीय प्रभावों से प्रभावित होती है।

रायगढ़ का जनसंख्या वितरण – रायगढ़ नगर जनसंख्या का प्रमुख आधारों से वर्गीकृत किया गया है – रायगढ़ नगर का बसाव केलो नदी के पूर्व में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक हैं। जैसे गलियां और पुराने व्यावसायिक प्रतिष्ठान होने के यहां प्रति वर्ग किलोमीटर निवासियों की संख्या बहुत ज्यादा है। (उदा. चादनी चौक, गद्दी चौक, इतवारी बाजार) इसी प्रकार ये केलो नदी के पश्चिम में चक्रधर नगर और केलो बिहार जैसे क्षेत्र इसी ओर हैं। यहां वितरण नियोजित हैं, जहां जनसंख्या का घनत्व मध्यम पाया जाता है। एवं रेलवे लाइन क्षेत्र में उत्तर–दक्षिण क्षेत्र के आस–पास सघन पाया, जाता है, जबकि कोतरा रोड की तरफ नई कालोनियां विकसित हो रही हैं।

घनत्व के आधार पर वर्गीकरण– घनत्व के आधार पर क्षेत्र का प्रकार एवं क्षेत्र स्थान एवं उसकी विवरण की विशेषता को ध्यान में रख कर वर्गीकरण किया गया है।

तालिका 2 : जनसंख्या वितरण क्र 2011 के अनुसार

जनसंख्या	वार्ड की संख्या	वार्ड क्र
1000 से कम	5	23, 42,43,45,47
1000 से 2000	10	9,10,11,12,16,18,20,21,22,24
2000 से 3000	9	13,14,15,17,19,26,31,32,39,
3000 से 4000	11	1,3,7,8,24,25,35,38,41,44,46
4000 से 5000	6	2,29,30,36,37,40
5000 से 6000	5	4,18,28,33 ,34
6000 से 7000	2	6,27
7000 से अधिक	1	5



कार्यात्मक वितरण – कार्यात्मक वितरण के आधार पर लोग अपना कार्य क्षेत्र के अनुसार जनसंख्या में सघनता पाई जाती है। व्यावसायिक केन्द्र के रूप में शहर के मध्य भाग में व्यापारियो और उनके कर्मचारियों का बसाव है। श्रमिक बस्तियां जूटमील क्षेत्र और चक्रधर नगर के बाहरी हिस्सो में औद्योगिक श्रमिकों का वितरण अधिक है। यहां फ्लोटिंग पापुलेशन (अस्थाई निवासी) ज्यादा रहती हैं। स्थानिक क्षेत्र कलेक्ट्रेट और जिला अस्पताल के आस–पास सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों का वितरण केन्द्र बना है।

जनसांख्यिकीय संरचना

प्रवासी जनसंख्या: उद्योगो के कारण ही लगभग 20–25 प्रतिशत जनसंख्या बाहरी राज्यों (जैसे–विहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल पे आकर बनी है। यह वितरण मुख्य रूप से औद्योगिक खेलों के निकट देखा जाता है।

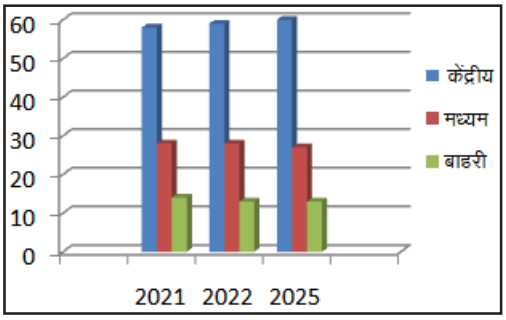
रायगढ़ शहर छत्तीसगढ़ राज्य का एक प्रमुख औद्योगिक और बाहरी केन्द्र है, जो कोरबा – रामपुर औद्योगिकरण गलियारो में स्थित हैं। यह शहर जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड (jindal) कोयला खनन, थर्मल पावर प्लांट्स और सीमेंट कारखाना के कारण तेजी से विकसित हुआ है। 2011 की जनगणना के अनुसार रायगढ़ नगर निगम (मेट्रो क्षेत्र सहित)की जनसंख्या 1,50,019 थी वो 2025 2,18,000 तक पहुंच गई है। यह लगभग 45.4 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है आज नगर 48 वार्डो में विभक्त है।

केंन्द्रिय औद्योगिक क्षेत्र –	(1–15) वार्ड	60 प्रतिशत जनसंख्या
व्यावसायिक मध्य क्षेत्र –	(16–35) वार्ड	27 प्रतिशत जनसंख्या
बाहरी ग्रामीण – शहरी सीमा	(36– 48) वार्ड	13 प्रतिशत जनसंख्या

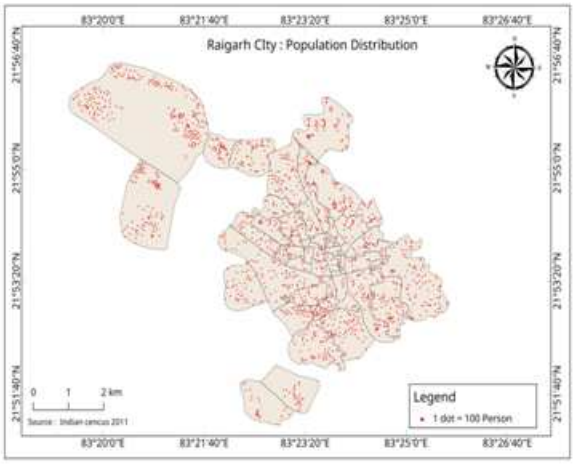
तालिका 3 : 2021–2025 में वितरण परिवर्तन

वर्ष	केंद्रीय	मध्यम	बाहरी
2021	58	28	14
2022	59	28	13
2025	60	27	13

तालिका क्र.1,5 – रायगढ़ नगर निगम के अनुसार



ग्राफ क्र.2 – रायगढ़ नगर की जनसंख्या वितरण परिवर्तन



जनसंख्या घनत्व

किसी प्रदेश की क्षेत्रफल तथा उसकी जनसंख्या का घनत्व कहतें है। चान्दना के अनुसार – ''Density very important means of analyzing the distribution of population of an areas it is a simple concept of releting populstion size to the land area with a view to assessing crudely the pressurure of popullstion upon the resource of the area.''

इस प्रकार से जनसंख्या घनत्व के द्वारा जनसंख्या संकेन्द्रण को दर्शाया जाता है। सामान्यत :यह व्यक्ति वर्ग किमी या प्रति व्यक्ति मील के रूप में दर्शाया जाता है। इसे निम्न सुत्र से निकाला जाता है।

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$$

यदि भूमि का क्षेत्रफल दिये गये जनसंख्या आकार से कम है तो उच्च हो जायेगा पर यदि भूमि का क्षेत्रफल अधिक है तो घनत्व कम हो जायेगा।

भूगोलवेत्ता एवं अन्य समाज शास्त्री घनत्व निकालने के इस तरीके को उपयोग में ज्यादा लेते है क्योंकि इसे ज्ञात करना व पढ़ना आसान होता है। तथा इस प्रकार इसे बहुत ही सरल रूप में समझा जाता है पर यह जनसंख्या एवं संशाधन के सम्बंध को ज्ञात करने का बहुत ही महत्वपूर्ण तरीका हैं उश्रीज्ञी के अनुसार 'The Concept of Density for population is most revealing and is of the diversity useful tool in the analysis of the diversity of man^s distribution in space^^''

रायगढ़ नगर के जनसंख्या घनत्व 2011

रायगढ़ नगर की 2011 जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 1,50,019 रही। इसमें पुरुष 76,865 और महिलाए 73,154 थी। शहर की सीमित जनसंख्या (M Corp.) 1,37,126 थी। इसका क्षेत्रफल लगभग 58 वर्ग किमी माना जाता है जिससे घनत्व करीब 27.27 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था रायगढ़ नगर में 2025 तक 48 वार्डो में विभक्त किया गया है। अलग अलग वार्डो के अनुसार हम जनसंख्या घनत्व को प्रदर्शित किया गया है।

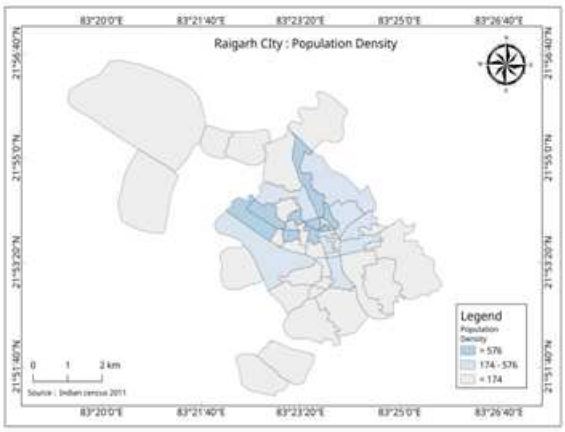
रायगढ़ नगर को 48 वार्डों में विभक्त किया गया है। प्रत्येक वार्ड में निवासरत जनसंख्या एवं आवासीय क्षेत्र के मान से प्रति हेक्टर आवासीय क्षेत्र में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या को आवासीय घनत्व कहा जाता है। रायगढ़ नगर पालिक निगम क्षेत्र की वार्ड अनुसार जनसंख्या एवं धनत्व निम्न सारणी में दर्शाया गया।

तालिका क्र 3: वार्ड–वार जनसंख्या एवं घनत्व 2025

क्र.	वार्ड का नाम	क्षेत्रफल (हे.)	जनसंख्या	घनत्व
1	हमीदगंज	45.20	3124	69
2	कोतरा रोड (उत्तर)	98.40	3450	35
3	रामभाठा	12.50	3210	256
4	संजय नगर	18.00	2980	165
5	कयाघाट	25.60	3105	121
6	दरोगापारा	08.40	2870	341
7	सत्तीगुड़ी चौक	05.10	2940	576
8	सदर बाजार	03.20	3315	1035
9	गंज पीछे	04.50	3080	684
10	पुरानी बस्ती (पूर्व)	06.80	2950	433
11	किलीपारा	07.20	3120	433
12	चॉदनी चौक	02.90	3405	1174
13	इतावारी बाजार	04.10	3260	795
14	राजापारा	12.40	3180	256
15	जगतपुर (नया)	65.00	3420	52
16	गौशाला रोड	22.10	3050	138
17	अतरामुड़ा	115.00	3560	31
18	चक्रधर नगर	48.50	3840	79
19	बोइरदादर	145.00	3670	25
20	सिविल लाइन्स	52.00	2920	56
21	जूटमिल (उत्तर)	35.40	3890	110
22	धांगरपारा	42.10	3750	89
23	कबीर चौक	28.50	4120	144
24	मिट्ठूमुड़ा	85.00	3980	46
25	उर्दना क्षेत्र	210.00	2850	13
26	भगवानपुर	132.40	3420	26
27	लक्ष्मीपुर	78.50	3150	40
28	कबीर चौक (द.)	22.10	3840	174

29	धांगरपारा (नया)	36.40	3210	88
30	जूटमिल (बस्ती)	15.60	4150	266
31	कोतरा रोड (बाहर)	185.00	3080	17
32	पंजरी प्लांट	142.00	2950	21
33	सावित्री नगर	45.30	3560	79
34	छोटे अतरामुड़ा	62.10	3120	50
35	बड़े अतरामुड़ा	88.40	3340	38
36	टी.वी. टाअवर रोड	54.20	2870	53
37	मिट्ठूमुड़ा (नया)	42.10	3050	72
38	उार्दना (आवासीय)	195.00	2650	14
39	महापल्ली रोड	110.00	2780	25
40	केलो विहार	32.40	3420	106
41	संबलपुरी मार्ग	215.00	2450	11
42	कलपमी डिपा	165.00	2320	14
43	गोवधनपुर	148.00	2560	17
44	पुटकापुरी	240.00	2150	09
45	बोइरदाादर (नया)	112.00	3180	28
46	जेलपारा विस्तार	40.50	3450	85
47	कृष्णा विहार	58.00	3620	62
48	विजयपुर	255.00	2280	09

स्त्रोत: रायगढ़ नगरपालिका निगम



जनसंख्या घनत्व 2025
घनत्व मानचित्र (क्षेत्रफल 55 वर्ग किमी),
उच्च घनत्व जोन 6000 वर्ग किमी क्षेत्र, जिन्दल रेलवे स्टेशन कोयला साइडींग
मध्यम घनत्व (3500-6000) मुख्य बाजार स्कूल बाजार
निम्न घनत्व (2000से कम) ग्रामीण सीमा

निष्कर्ष – रायगढ़ नगर की जनसंख्या संरचना एवं वितरण के उपरोक्त अध्ययन के आधर पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त होते हैं:

1. **जनसंख्या में तेजी से वृद्धि** : रायगढ़ नगर की आबादी 1991 में 86,767 से बढ़कर 2011 में 1,50,019 हुई। वर्ष 2025 तक नगर की अनुमानित जनसंख्या 2,18,000 पहुंच गई है, जो औद्योगिक विस्तार और नगरीय विस्तार को दर्शाता है।
2. **अप्रवासी जनसंख्या की महत्वपूर्ण भूमिका** : नगर में जिंदल स्टील एवं पावर, थर्मल पावर प्लांट्स, औद्योगिक नगरो और कोयला खनन के कारण विहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से शहरी आवागमन के कारण लगभग 20-25 प्रतिशत अप्रवासी जनसंख्या बस हुई है।
3. **नगरीय सीमा और वार्ड विस्तार** : 1901 में नगरपालिका गठन के वक्त से लेकर 2025 तक वार्डो की संख्या 40 से बढ़कर 48 हो गई है और नगर का कुल क्षेत्रफल 153.14 वर्ग किमी. तक विस्तारित हुआ है।
4. **वितरण एवं घनत्व में असमानता :**

- **उच्च घनत्व :** चांदनी चौक, सदर बाजार, गंज पीछे और इतवारी बाजार जेल पिछे पुराने व्यावसायिक क्षेत्रों में घनत्व 600 से 1100 व्यक्ति प्रति हेक्टयर है।
- **मध्यम घनत्व :** चक्रधर नगर, केलो विहार और सिविल लाइन्स नियोजिक आवासीय क्षेत्रों में घनत्व मध्यम है।
- **निम्न घनत्व :** बाहरी औद्योगिक क्षेत्रों जेसे संबलपुरी मार्ग, कलमी डिपा, पुटकापुरी, विजयपुरी में घनत्व 09 से 20 व्यक्ति प्रति हेक्टयर के आस-पास है।

5. **कार्यात्मक वितरण :** नगर का मध्य भाग व्यापारिक गतिवधियों के लिए केन्द्र है, बाहरी क्षेत्र जूटमिल एवं चक्रधर नगर के बाहरी हिस्से औद्योगिक श्रमिकों के लिए अस्थाई जनसंख्या का गठिन करते हैं और कलेक्ट्रेट व अस्पताल क्षेत्र सरकारी कर्मचारियों के वितरण का मुख्य केंद्र है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. व्यक्तिगत शोध के आधार पर।

****